पी.एच.डी. मानवविज्ञान

Ph.D. Anthropology

पाठ्यक्रम/सत्र : 2020-21 से लागू

Syllabus/Session 2020-2021

मानवविज्ञानविभाग

Department of Anthropology

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

School of Humanities and Social Sciences

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha Maharashtra

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
मानवविज्ञान विभाग

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गएयू.जी.सी. 2016 अधिनियम तथा 27.04.2020 को अकादमिक परिषद द्वारा स्वीकृत के अनुरूप मानवविज्ञान विभाग द्वारा संचालित पी-एच.डी. पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्याओं का विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम	सेमेस्टर	क्रेडिट	अवधि	सेमेस्टर	अनिवार्य (क्रेडिट प्रति सेमेस्टर 20 कुल)				ऐच्छिक		- -	
					आधार (Foundation)		मूल (Core)		आधार (Foundation)			
					पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट		
पी-एच.डी. मानवविज्ञान	न्यूनतम 06 अधिकतम 12 सेमेस्टर	120/100 क्रेडिट (एम.ए. उत्तीर्ण हेतु कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. उत्तीर्ण हेतु 100 क्रेडिट)	1 क्रेडिट =30 घंटे	सेमेस्टर 1*	● कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04	● शोध पद्धतिशास्त्र के मूलतत्व ● शोध एवं प्रकाशन नैतिकता ● मानवविज्ञान में शोध पद्धतियाँ ● मानवविज्ञान के परिप्रेक्ष्य एवं उपागम प्रविधि/गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण	02 02 04 04	मानवविज्ञान के परिप्रेक्ष्य एवं उपागम प्रविधि/ गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण	04 (अतिरिक्त)		**20**
				न्यूनतम 05 सेमेस्टर तथा अधिकतम 12 सेमेस्टर			● रिसर्च एसोशिएटशिप एंड टीचिंग एसोशिएटशिप ● शोध प्रबंध लेखन ● मौखिकी	10 (अतिरिक्त) 80 20				**100**
											कुल क्रेडिट	**120**

टिप्पणी :*एम.फिल. उपाधि प्राप्त शोधार्थियों को कोर्स वर्क (20 क्रेडिट) से मुक्त रखा गया है। एम.फिल. के 20 क्रेडिट पी-एच.डी. में स्थानांतरित किए जाएंगे।

● अन्य मामलों अथवा समस्या निवारण के लिए विश्वविद्यालयका संबंधित अध्यादेश अथवा सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

पी.एच.डी.मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 01

शोध पद्धतिशास्त्र के मूल तत्व (मूल)(2 क्रेडिट)

इकाई 1:

- शोध: परिभाषा
- विशेषताएँ
- उद्देश्य
- शोध के चरण
- शोध नैतिकता

इकाई 2:

- शोध एवं वैज्ञानिक पद्धति
- शोध के प्रकार
- शोध प्ररचना
- शोधार्थी के अपेक्षित गुण
- शोध रिपोर्ट लेखन

संदर्भ पुस्तकों की सूची -

- Barnes,J.A.(1979).*WhoShouldKnowWhat?SocialScience,PrivacyandEthics.*
- Harmondsworth:PenguinBook.
- Bose,P.K.(1995).*ResearchMethodology.*NewDelhi:ICSSR.
- Bryman, A.(1988).*QualityandQuantityinSocialResearch.*London:UnwinHyman.
- DeVaus,D.A.(1986).*SurveysinSocialResearch.*London:GeorgeRelen&Unwin.
- Hughes,J.(1987).*ThePhilosphyofSocialResearch.*London:LongmanPbc.
- Jayaram,N.(1989).*Sociology:MethodsandTheory.*Madras:MacMillian.
- Kothari,C.R.(1989).*ResearchMethodology:MethodsandTechniques.*
- Bangalore:WileyEastern.
- Marsh,C.(1988).*ExploringData.*Cambridge:PolityPress.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas*

*andPerspectives.*NewDelhi:SagePbc.

- Punch,K.(1996).*IntroductiontoSocialResearch.*London:SagePbc.
- Shipman,M.(1988).*TheLimitationsofSocialResearch.*London:LongmanPbc.
- Sjoberg,G.,&Roger,N.(1997).*MethodologyforSocialResearch.*Jaipur:RawatPbc.
- Srinivas,M.N.,&Shah.A.M.(1979).*FieldworkerandTheField.*Delhi:OxfordPress.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.*New Delhi : PrenticeHall.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी, जयपुर: रावत प्रकाशन
- दास, लाल, डी. के. (2017).सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार, जयपुर: रावत प्रकाशन
- मुखर्जी, रवींद्रनाथ (2014). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली: विवेक प्रकाशन

पी.एच.डी.मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 02

शोध एवं प्रकाशन नीतिशास्त्र (मूल) (क्रेडिट - 02)

(पाठ्यचर्या प्रकाशन नीतिशास्त्र एवं प्रकाशन कदाचार के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने हेतु उपयोगी)

सिद्धांत

इकाई-1 दर्शन एवं नैतिकता

- दर्शन का परिचय: परिभाषा, प्रकृति एवं विषयवस्तु, अवधारणा, शाखाएँ
- नीतिशास्त्र : परिभाषा, नैतिक दर्शन
- नैतिक निर्णयों और प्रतिक्रियाओं की प्रकृति

इकाई-2 वैज्ञानिक व्यवहार

- विज्ञान एवं शोध संबंधी नीतिशास्त्र
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध सत्यनिष्ठा
- वैज्ञानिक कदाचार:मिथ्याकरण, मिथ्या रचना और साहित्यिक चोरी (FFP)
- अनुचित प्रकाशन: प्रतिलिपि एवं परस्परव्याप्त प्रकाशन, सलामी स्लाइसिंग (salami slicing)
- चयनात्मक प्रतिवेदन एवं आकड़ों की मिथ्या प्रस्तुति/गलतबयानी

इकाई-3 प्रकाशन नीतिशास्त्र

- प्रकाशन नीतिशास्त्र : परिभाषा, परिचय एवं महत्त्व
- उचित अभ्यास/ मानक आरंभ एवं दिशा-निर्देश: COPE, WAME, आदि।
- हितों का संघर्ष
- प्रकाशन कदाचार : परिभाषा, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार के कारण एवं समस्याएँ, प्रकार
- प्रकाशन नीतिशास्त्र का उल्लेख, लेखक अधिकार एवं लेखनीय अंशदान
- प्रकाशन कदाचार की पहचान, परिवाद एवं अपील
- छद्म प्रकाशक एवं शोध पत्रिकाएँ

अभ्यास

इकाई-4 निर्बाध प्रकाशन

- निर्बाध प्रकाशन एवं आरंभ

- प्रकाशक कॉपीराइट और स्व-अभिलेखीय नीतियों की जाँच करने के लिए SHERPA/ ROMEO ऑनलाइन संसाधन
- छद्म प्रकाशन की पहचान हेतु SPPU द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर उपकरण
- शोधपत्रिका अन्वेषक / शोधपत्रिका सुझावकर्ता उपकरण JANE, एलसेवियर जर्नल फाइंडर, स्प्रिंगर जर्नल सुझावक, इत्यादि।

इकाई-5 प्रकाशन कदाचार

अ. समूह चर्चा

- विषय विशेष से जुड़े नीतिशास्त्रीय मुद्दे, मिथ्याकरण, मिथ्या रचना और साहित्यिक चोरी FFP, लेखकीय अधिकार
- हितों का संघर्ष
- परिवाद एवं अपील: भारत एवं विश्व से उदाहरण

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

साहित्यिक चोरी की पहचान हेतु सॉफ्टवेयर: टर्नइटहन, उरकुंद एवं अन्य मुक्त सॉफ्टवेयर उपकरण

इकाई-6 डेटाबेस एवं शोध मैट्रिक्स

अ. डेटाबेस

- इंडेक्सिंग डेटाबेस
- संदर्भन डेटाबेस : वेब ऑफ़ साइंस, स्कोपस इत्यादि।

ब. शोध मैट्रिक्स

- शोध पत्रिकाओं का इम्पैक्ट : साइटेशन रिपोर्ट, SNIP, SIR, IPP. साइट स्कोर
- मैट्रिक्स : एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स, ऑल्टमैट्रिक्स

संदर्भ पुस्तकों की सूची

- Bird, A. (2006). Philosophy of Science. Routledge.
- Macintyre, Alasdair. (1967), A Short History of Ethics. London
- Chaddah, P. (2018). Ethics in Competitive Research: Do not get scooped do not get plagiarized. ISBN 978 9387480865
- National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute Medicine, (2009). On Being a Scientist: A Gulde to Responsible Conduct inResearch Third Edition. National Academies Press.
- Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. NationalInstitute of Environmental Health Sciences, 1-10. Retrieved from http//www.nichnisav research resource/bioethicwwhatisindex.cfm

- Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. Nature, 489(7415), 179-179.
- https://doi.org/10.1038489179
- Indian National Science Academy (INSA). Ethics in Science Education, Researchand Governance (2019), ISBN : 978-51-939482-1-7.
- http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics Book.pdf

पी-एच.डी.मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 03

मानवविज्ञान मे शोध पद्धतियाँ (4 क्रेडिट)

इकाई 1:- शोध के परिप्रेक्ष्य एवं उपागम: मानववैज्ञानिक शोध में विषयगतता एवं वस्तुगतता की समस्या; लोक विधि विज्ञान(एथ्नोमेथोडॉलोजी), प्रघटनाविज्ञान (फेनोमेनोलोजी),आधारित सिधान्त।

इकाई 2:-आंकड़ों के संकलन की प्रविधियाँ : अवलोकन, साक्षात्कार, वंशावली, अनुसूची, प्रश्नावली,वैयक्तिक अध्ययन,मौखिक इतिहास, मुख्य सूचनादाता।

इकाई 3:- सहभागी शोध पद्धतियाँ- त्वरित ग्रामीण मूल्यांकन(आर.आर.ए.), सहभागितापूर्ण ग्रामीण मूल्यांकन(पी.आर.ए.), सहभागितापूर्ण अधिगम मूल्यांकन(पी.एल.ए.), केन्द्रित समूह परिचर्चा(एफ.जी.डी.)।

इकाई 4:-चर एवं चरों के प्राकार ,प्रतिचयन विधियाँ एवं प्रतिचयन आकार;मानवविज्ञान में सांख्यिकी- संकलन,आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण,विश्लेषण एवं परिकल्पना परीक्षण।

संदर्भ पुस्तकों की सूची -

- Danda, Ajit. Research Methodology in Anthropology. Inter-India New Delhi.
- Fernandes&Tandon. Participatory Research.
- Fischer, Michael. Application in Computing for Social Anthropologists. Routledge, London.
  4. Goode &Hatt. Methods in Social Research.
- H. Russel, Bernard. Handbook of Methods in Cultural Anthropology, Altamira Press.
- Mukherjee, Neela. Participatory Rural Appraisal and Questionnaire Survey.
- Young, Pauline. Scientific Social Surveys and Research.

पी.एच.डी. मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 04

कम्प्यूटर अनुप्रयोग (आधार) (क्रेडिट 04)

'लीला' के पाठ्यक्रम पर आधारित अध्यापन

नोट :- इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम का निर्माण, अध्यापन, परीक्षा व मूल्यांकन आदि संबंधी समस्त कार्य "लीला" के द्वारा किया जाएगा।

पी.एच.डी. मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05
मानवविज्ञान केपरिप्रेक्ष्य एवं उपागम

इकाई 1: - मानवविज्ञान के परिप्रेक्ष्य एवं उपागम: समग्र, तुलनात्मक, नृजातिवर्णन, नृजातिविज्ञान, नृजातिकेंद्रियता, एमिक और एटिक, सांस्कृतिक सापेक्षवाद और सांस्कृतिक पारिस्थितिकी, ऐतिहासिक विशिष्टवाद,ऐतिहासिक भौतिकवाद।

इकाई 2 :- **(क) संस्कृति और समाज के अध्ययन के उपागम :**भाग- I: उद्विकासवाद, नव-उद्विकासवाद , प्रसारवाद।

(ख) संस्कृति और समाज के अध्ययन के उपागम: भाग-II:प्रकार्यवाद,संरचना-प्रकार्यवाद, संरचनावाद।

इकाई 3: - सामाजिक-सांस्कृतिक मानव विज्ञान में नए क्षितिज: नृजातिवर्णन की उत्तर आधुनिक आलोचना।

इकाई 4: - जनजातीय, ग्रामीण और शहरी विकास के अध्ययन के उपागम।

संदर्भ पुस्तकों की सूची -

- Marvin Harris, Rise of Anthropological Theory.
- Manners and Kaplan (ed.), Theories in Anthropology.
- Pandey and Upadhyay, History of Anthropological Thoughts.
- Hasnain and Mishra, Introducing Social-Cultural Anthropology.
- Claude levi-strauss, Structural Anthropology.
- L.P. Vidyarthi& B.K. Rai, Tribal Culture in India.
- K.S. Singh, Tribal Society in india.
- Robert Redfield, The Little Community and Peasant Society and Culture.
- नदीम हसनैन, जनजातीय अध्ययन
- यू.एस. मिश्र, नृतत्व चिंतन
- मिराज अहमद, विकास का समाजशास्त्र

पी.एच.डी. मानवविज्ञान कोर्स वर्क, प्रश्न पत्र 05

गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण (4 क्रेडिट): -

इकाई 1- निम्नलिखित में किसी एक मोनोग्राफ का अध्ययन, विश्लेषण एवं रिपोर्ट लेखन

मोनोग्राफ की सूची:

- ❖ Dube S.C. (1955). Indian Village. London: Routledge and Kegan Paul Ltd.
- ❖ Srinivas M.N. (2004). Bharat keGaon. New Delhi: RajkamalPrakashan Pvt. Ltd.
- ❖ Dube S.C. (2002). Bhartiya Gram. New Delhi: Vani Prakashan.
- ❖ हसनैन नदीम (2017) दूसरा लखनऊ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 2 - निम्नलिखित में किसी एक उपन्यास का अध्ययन, विश्लेषण एवं रिपोर्ट लेखन

उपन्यास की सूची:

- नागर, अमृत लाल (1997), नाच्यौ बहुत गोपाल, राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली
- देवी, महाश्वेता (2008), जंगल के दावेदार, राधाकृष्णर प्रकाशन, नई दिल्ली
- ल्यो सा, मारियो वार्गास (2010), किस्सारगो, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 3:पोषण,स्वास्थ्य,जनसांख्यिकी से संबंधित द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या।

इकाई 4: सरकार के विभिन्न विभागों की वार्षिक रिपोर्ट से संबंधित नीतियों का विश्लेषण और व्याख्या।

पी.एच.डी. मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 06

अंतरानुशासनिक (ऐच्छिक) (4 क्रेडिट)

नोट :- पी.एच.डी. मानवविज्ञान, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05 - **मानवविज्ञान के परिप्रेक्ष्य एवं उपागम**(मूल) (क्रेडिट- 04) अथवा **गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण** (4 क्रेडिट)प्रश्न-पत्र को अन्य विषयों से मानवविज्ञान विभाग में अंतरानुशासनिक अध्ययन हेतु आने वाले शोधार्थियों को अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम (4 क्रेडिट) के रूप में भी पढ़ाया जाएगा।

पी-एच.डी. मानवविज्ञान

शोध प्रबंध लेखन (क्रेडिट - 80)

- **शोध प्रबंध लेखन प्रारूप (पी-एच.डी. अध्यादेश, 2020, MGAHV के अनुरूप)**

1. शोधप्रबंध का मुख्य पृष्ठ

(क) शोध प्रबंधका शीर्षक क्रमशः हिंदी एवं अंग्रेजी में
(ख) पी.एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध
(ग) शोधार्थी एवं शोध-निर्देशक का नाम
(घ) विश्वविद्यालय का लोगो
(ड) प्रस्तुति वर्ष
(च) विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमशः पूरा नाम

2. शोधप्रबंध के मुख्य पृष्ठ हेतु प्रस्तावित रंग: गहरा नीला

3. शोध-प्रबंध प्रस्तुतीकरण

(क) संदर्भ पद्धति :APA
(ख) Kokila/Arial Unicode
(ग) फॉन्ट साइज-16
(य) दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5

4. शोधप्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप

i)घोषणापत्रप्रमाणपत्र (शोधार्थी एवं निर्देशक की ओर से एक ही होगा)
ii) भूमिका
iii) विषयानुक्रमणिका
iv) संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यकता हो)
v) अध्यायवार मूल अंतर्वस्तु
vi) संदर्भ सूची
vi) परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)

- ❖ शोध विषय आधारित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन का लेखन।
- ❖ संबंधित शोध कार्य में शोध गुणवत्ता हेतु विभिन्न पद्धति, उपकरणों का प्रयोग एवं उल्लेख आवश्यक होगा।

पी-एच.डी. मानवविज्ञान

मौखिकी (क्रेडिट- 20)

नोट :- पी.एच.डी. मौखिकी का स्वरूप खुला होगा जिसमें विभागों व केंद्रों के सभी संकाय सदस्य, शोधार्थी और अन्य इच्छुक संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के बाहर के विशेषज्ञ और शोधार्थी शामिल हो सकते हैं।

पी-एच.डी. मानवविज्ञान

रिसर्च एसोशिएटशिप एवं टीचिंग एसोशिएटशिप (क्रेडिट 10) (अतिरिक्त)

नोट :-

1. रिसर्च एसोशिएटशिप के अंतर्गत विद्यार्थी को शोध विषय संबंधित न्यूनतम 2 शोध पत्रों को प्रकाशित करवाना होगा एवं उसका प्रस्तुतिकरण विभाग में देना होगा।
2. रिसर्च एसोशिएटशिप के अंतर्गत विद्यार्थी को शोध विषय संबंधित न्यूनतम 2 राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध-पत्र वाचन/प्रस्तुतिकरण देना होगा।
3. टीचिंग एसोशिएटशिप के अंतर्गत दिए गए कक्षा शिक्षण संबंधी कार्यों को पूरा करना होगा ।
4. इन कार्यों का वितरण शोध निर्देशक और विभागाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप में किया जाएगा।